दाविद ने हिम्मत दिखायी

1 शमूएल अध्याय 17

इसराएलियों और पलिश्तियों के बीच **लड़ाई** चल रही थी। **दाविद भेड़ों को चरानेवाला** था। मगर उसके कुछ भाई सैनिक थे इसलिए उसे उनका हाल-चाल पूछने के लिए भेजा गया था।

क्या हो रहा है?

गोलियात फिर से हमारा मज़ाक उड़ा रहा है। वह **कई हफ्तों** से हमें ललकार रहा है!

सब उससे **डरते** हैं! वह नौ फुट से भी लंबा है! उसे **कोई नहीं** हरा सकता!

गोलियात को जो आदमी **मार डालेगा** उसे क्या मिलेगा?

दाविद के सबसे बड़े भाई को उस पर **गुस्सा** आया।

तू यहाँ क्या कर रहा है? और तू गोलियात के बारे में क्यों जानना चाहता है? यह जगह **बच्चों के लिए नहीं है!**

जा, घर जा और अपनी भेड़ों को चरा!

गुस्सा क्यों हो रहे हो? मैंने बस एक **सवाल** ही तो पूछा है!

जाकर राजा को बता कि कोई **गोलियात से लड़ना** चाहता है।

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

दाविद ने अपना गोफन लिया और घाटी में से **पाँच चिकने-चिकने पत्थर** चुने।

यहोवा ने मुझे शेर और भालू से बचाया था। **वही** मुझे गोलियात से भी **बचाएगा।**

एलाह घाटी में दाविद और गोलियात का आमना-सामना हुआ।

क्या मैं **कुत्ता** हूँ जो तू डंडा लेकर मुझे भगाने आया है? तू आ तो सही, मैं तुझे मारकर **पक्षियों को खिला दूँगा।**

तू **तलवार, भाला और बरछी** लेकर मुझसे लड़ने आ रहा है, मगर मैं **यहोवा के नाम** से आ रहा हूँ।

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

दाविद ने यहोवा पर भरोसा रखा और **बड़ी तेज़ी** से गोलियात की तरफ **दौड़ा।** उसने गोफन में पत्थर रखा . . .

और गोलियात की तरफ ऐसा फेंका कि वह सीधे जाकर उसके **माथे पर लगा।**

गोलियात वहीं मर गया और इसराएलियों ने **पलिश्तियों को हरा दिया।** इसके कई साल बाद, दाविद इसराएल का **राजा** बना।

हम इस कहानी से क्या सीखते हैं?

दूसरों को **यकीन क्यों नहीं था** कि दाविद गोलियात से लड़ सकता है?

सुराग: 1 शमूएल 17:13, 14, 33, 42.

दाविद को क्यों यकीन था कि वह गोलियात को **हरा सकता है?**

सुराग: 1 शमूएल 16:1, 13; 17:37, 45-47.

क्या बात **आपको** सही काम करने की हिम्मत दे सकती है?

सुराग: भजन 91:11; इब्रानियों 13:6.

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania